

प्रमाणित प्रतिलिपि

दि० पे० पेश

24-9-97

No. 5527 Stamp 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 750 + 750 + 750 + 750 + 500 + 500 + 20 + 10 = 59030) Rs only.

1. नाम लेखकार:- श्री देवा सिंह पिता स्व० ज्ञानी सिंह साकीन मौजा मुफ्तीपुर पंचायत हैलवो थाना सदर पुलिसारी हाल थाना जोधपुर तहसील पलवा पेशा काश्तकारी भारतीय नागरिक।

2. नाम लेखकधारी:- श्री दीनेश प्रसाद सिंह पिता स्व० पुलीस गराई साकीन मौजा मुफ्तीपुर थाना सदर तहसील पलवा पेशा काश्तकारी की नौकरी भारतीय नागरिक।

3. लेखन प्रकार:- बैनामा बैय लाकलाकी (बिक्री पत्र) (Absolute Sale deed)

4. सम्पत्ति का मुल्य:- रु० 26000) रुपया (दो लाख छह हजार रुपया) रु० (अक्षरों में) रुपया रु० 93000) रुपया (एक लाख तिरानवे हजार रुपया)

2. सम्मन क्र० 1994 :- हमारे पास तलाश मगाया 90 1/2 St. (ख)
(दो पृष्ठांक एक पर तीन उल्लेखित) छीनका झपटी
मुकदमा S 319 S 11. (तीन कहा ख्य पुरु अढाई चुकी)
होना है। अदली हकीकत कास्त रैयती नगदी काश्मी
छीनका लगान तलाना मौ० 2 नवपदा (दो रुपया)
अलावे दीप पाडे मौजा जगनपुर। दौला मोहनपुर
प्रगना जाफीसाबाद थाना सर्व पुलगाी हाल थाना
औरिच्क छीना पदा छीनका थाना नम्बर 24
(चौबीस) पनौती नम्बर 139 (एक सौ एकतीस)
रवाना नम्बर 906 (एक सौ छौ) लेकर सर्व
लौट नम्बर 263 (दो सौ तेहत्तर) सब को सद
रजीस्ट्री औदीत कोकीपुर पदा सदर फजलीदारी
पीहा सकरा थाना अं पलाधीकारी पुलगाी 9
शादि (चौदह) छीना पदा / यह जमीन पदा
विकास प्राधीकार क्षेत्र के अन्दर है छीनका प्रतिशत
क्षेत्र नम्बर 24-ब / 16 दिनांक 8-6-16 ई. है।
चौहदी निम्न लिखित है। ——————

उत्तर —— दाक्षीण —— पुरब —— पाश्चिम ——
—— अलंगा —— लौट हुआ साबिक - साबिक रहेगा - लौट हुआ -
सीमा रहेंगे के यथावत् - रहेंगे हाल लिखित - हाल लिखित -
दीवार —— दीवार / ——

निदेश :- यह उपरोक्त अभियुक्त छीनका पुरा - पुरा रहेगा
खाना लेना देना छोड़ने के निदेश दिये।

समान्त पंजीयन पुस्तक संख्या 23-9-1958 पृष्ठ संख्या
पुस्तक 1 जिल्द 20 पेज 1958 ता. 460 पंजीयन
1958 / राजीस्ट्री पत्र बसीले रजकुरी हुआ। जोड़े
बनवारी सिंह पुत्री काली चक रहिंह साकीन अधुलाह
थाना हाल मोकाम मुफ्तीपुर थाना पुलवारी जिला
पटना से बनाम देवा सिंह लेखकारी को दीप-
नरायण सिंह पेशगान आनकुरी सिंह हाशिल है,
यह कि भाई-दीप नरायण सिंह दुर्भाग्य वश-पिता
साफी हुआ कि: स्तान स्वर्गवास कर गये / दीप नरायण
सिंह के स्वर्गवास के बाद उनके हो समाति पर
लेखकारी अकेला काबिज दाखिल मालिक मुस्तकील होजाते
है की है की जमिंदारी सिंहा सरकार में लेखकारी का
काम धर्म है की रसीद कटाने चले आते है / खतिया-
जमाबन्दी नं० 139 है की लेखकारी अपने घर के अधार
की कर्ता खुद है। _____

ई लेखकारी को सरकार जरुरत खर्चों की आवश्यकता-
वश्यक मकान की लिये चन्द जमीदार के [illegible] हो गया है। वैगैर करने मामला रसीदी के समान खर्चों
का प्रबन्ध होना मुनासीब है। लेहाजा लेखकारी पर
लिये जमीन की बिक्री करने का एलान की प्रचार आम
जनता में किया की करवाया / एलान की प्रचार पर लेख-
धारी रसीदने पर अमादे की तैयार हुए / फलस्वरूप लेख-
कारी की लेखकारी में [illegible]

हजार रुपया जो समय से किस्त जमा न कर सके उसके
लेय पाया जो जमाना के लिहाज से वाजिब को मुनासिब
जो सम्मन लेय को पक्का हो गया। लेहजा लेख-
कारी अपने शारीरिक तथा मानसिक स्वस्थ अवस्था में
रहकर अपने लाभ हानी का पूर्ण ज्ञान सहीत मानि-
सी सोच विचार कर बिना किसी बाहरी अनुचित दबाव
वो प्रभाव के अपने हितार्थियों एवम् कानूनी सलाहकारों
से परामर्श लेकर उपरोक्त रुपया संख्या 2 की वर्णित
सम्पत्ति मो० 262000) रुपया (दो लाख बहत्तर हजार रुपया)
जो सम्मन में साथ लेखकारी रुपया संख्या 2 श्री
दिनेश प्रसाद सिंह पिता स्वर्गीय पुरोत्तम राई साकीनमौजा
सुपाहंगा थाना वैना जिला दरभंगा के साथ बिना कोई
शर्त के बेचा वो केवाला बैय लाकलामी तलिका वो विक्रय-
पत्र का निष्पादन एकरार स्वीकार किया। इस सम्पत्ति का
समस्त मुल्य मोक्तलिग 262000) रुपया (दो लाख बहत्तर हजार)
रुपया। इस प्रकार वसुल पाया कुल जो सम्मन वाजिब
हाजु नं० 844297 को 844298, 844299, 844300 को
844301- दिनांक 21/7/97 एवं 844750 दिनांक 15/1/97
भारतीय स्टेट बैंक सेक्टर 9 रोहिणी स्थित सीधी है
बाए मो० 24000) रुपया दो लाख चौसठ हजार रुपया
वाजिब हाजु के वसुल पाया को पाई पाई मो० 2000 रुपया
आठ हजार रुपया कुल वसुल पाया।
यह कि सम्पत्ति का समस्त मुल्य भुगतान हो जाने के

यह लेख्यधारी को चाहिए कि उपरोक्त स्वामी संख्या
X की वर्णित सम्पत्ति पर काबिज दाखिल मालिकाना हैसियत
होकर वो रहकर सम्पत्ति को यथोचित व्यवहार में लाता रहे
लावें। लेख्यधारी तथा उसके वंशज को उत्तराधिकारी को
उपर्युक्त स्वामी संख्या X की वर्णित सम्पत्ति के विक्रय स्वामित्व
को अधिकार प्राप्त था वह सब सम्पूर्ण स्वामित्व को
अधिकार अब के दिए से इस विलेख के माध्यम से
लेख्यधारी को प्राप्त हुआ। लेख्यधारी स्वामी संख्या
X की वर्णित सम्पत्ति के विक्रय अपना नाम विक्रय पत्र
में वो जहाँ-जहाँ जरूरत होगा दर्ज करा लेवें।
अब लेख्यकारी तथा उसके वंशज को उत्तराधिकारी को
वर्णित सम्पत्ति के विक्रय किसी प्रकार का हकदारी दावेदारी
दावा साथ लेख्यधारी के तथा उसके वंशज को उत्तरा-
धिकारी के विक्रय बाकी नहीं रहा को न होगा।
लेख्यकारी ने लेख्यधारी को पूर्ण विश्वास को करता
दिलाया है कि उपरोक्त स्वामी संख्या-X की वर्णित-
सम्पत्ति हर तरह के सरकारी या गैर सरकारी अड़चनों
को स्वत्व दोष बोझ को अन्य व्यक्ति के हक को
हिस्सा को दखल दावा को मुकदमा हकीयत को हर
तरह के प्रकार बोझ से पाक को साफ है।——
आगे किसी प्रकार का मुकदमा बाकी हर तरह के सरकारी
या गैर सरकारी अड़चनों को स्वत्व दोष बोझ को
अन्य व्यक्ति के हक को हिस्सा को दखल दावा या

लेखपाल हल्का संख्या 4 का कार्यालय तहसील
सम्पूर्ण भाग या कुछ भी अंश है पूर्ण से पूर्ण
हो जाय तो कुल रकबा मय हदूद चौ तथा
काश्तकार सहित लेखपाल तथा उनके वंशज
वो उत्तराधिकारी से लेखपाल तथा उनके वंशज
वो उत्तराधिकारी कहलाते हैं। इसमें लेखपाल
तथा उनके वंशज वो उत्तराधिकारी को किसी प्रकार
का कोई आपत्ति नहीं है वो न होगा।
इस वास्ते यह वासिका कैवाला बैनामा लाकलामी (वकीली-पत्र)
बनाम लेखपाल हल्का संख्या 2 श्री राजेश प्रताप सिंह
के लिख दिया कि समय पर काम आवे वो
प्रमाण रहे।

तहरीर ता॰ 9-V-9V V6 ई॰

सः टेका सिंह कैवाला बैनामा लीखा सो सही काग़ज पढ़ के
लिखा कुल रक़बा बजरीए हदूद वो बगाए अमुल पाया तः 9-
V-V6 सः टेका सिंह 9-V-V6 गवाह दीन दयाल सिंह
साः मूपतीपुर थाना गौरीचक लीखा पढ़ा तः 9-V-V6
सः टेका सिंह 9-V-V6 गवाह देव नारायण सिंह साः-
मूपतीपुर थाः गौरीचक जीः पटना 9-V-V6 सः टेका
सिंह 9-V-V6 गः राम प्रवेश सिंह ग्राम मुपतीपुर थाना
गौरीचक लीखा पढ़ा 18-9-97 सः टेका सिंह 9-V-V6
सः टेका सिंह 9-V-V6 सः टेका सिंह 9-V-V6 सः
टेका सिंह 9-V-V6 सः टेका सिंह 9-V-V6 सः टेका

पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक) (1)
सिंह पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक) सिंह पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक)
सिंह पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक) सिंह पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक) सिंह
पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र सं. एक) सिंह पुत्र-ब्र-ब्र-ब्र लेखक हस्ताक्षर
प्रसाद साकिन मोहल्ला रामपुरवा गवाह थाना गौरीचक जिला
पटना कागज लेखकारी के समक्ष लिखा कागज पढ़कर
सुना को समझा दिया / मोहर हस्ताक्षर पटना कोषागार.
पटना मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति ×
ग्राम/मोहल्ला × थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक हस्ताक्षर
अस्पष्ट 29-8-97 मोहर हस्ताक्षर अस्पष्ट 5902० / 29-8-97
पटना कोषागार, पटना मूल्य 5902०/- नाम नाम दिनेश प्रसाद
सिंह पिता स्व पुलीस उगाई ग्राम/मोहल्ला पुपाजंपथा
बेनु जिला थाना मुद्रांक लिपिक हस्ताक्षर अस्पष्ट 29-8-97
मोहर हस्ताक्षर अस्पष्ट पटना कोषागार पटना मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/मोहल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक हस्ताक्षर अस्पष्ट 29-8-97
मोहर हस्ताक्षर अस्पष्ट पटना कोषागार पटना मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/मोहल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक हस्ताक्षर अस्पष्ट 29-8-97
मोहर हस्ताक्षर अस्पष्ट पटना कोषागार पटना मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/मोहल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक हस्ताक्षर अस्पष्ट 29-8-97
(मोहर) हस्ताक्षर अस्पष्ट पटना कोषागार पटना मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह

थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ अस्पस्ट 29-8-97
मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला ×
थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ अस्पस्ट 29-8-97
मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला ×
थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ अस्पस्ट 29-8-97
मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला × थाना ×
छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट
पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह
पिता/पति × ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांक
लीपिक ऊ अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा
कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/
पति × ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक
ऊ अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार,
पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति ×
ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ
अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार
पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/पति ×
ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक ऊ
अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा कोषागार
पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह पिता/
पति × ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांकलीपिक
ऊ अस्पस्ट 29-8-97 मोहर ऊ अस्पस्ट पत्रा
कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/- नाम दिनेश प्रसाद सिंह
पिता/पति × ग्राम/महल्ला × थाना × छीला × मुद्रांक

पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/- नाम गिरीश (2)
प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला × थाना ×
जिला × मुद्रांक लिपिक ७० अपर 29-8-97 -
मोहर ७० अपर पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम गिरीश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक ७० अपर 29-8-97
मोहर ७० अपर पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम गिरीश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला × थाना ×
जिला × मुद्रांक लिपिक ७० अपर 29-8-97 मोहर ७०
अपर पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/- नाम ४
गिरीश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक ७० अपर 29-8-97
मोहर ७० अपर पत्रा कोषागार पत्रा मूल्य 5902०/-
नाम गिरीश प्रसाद सिंह पिता/पति × ग्राम/महल्ला ×
थाना × जिला × मुद्रांक लिपिक ७० अपर 29-8-97/
No. 5537 stamp 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 +
5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 5000 + 750 + 750 + 750 + 750 +
500 + 500 + 20 + 10 = 5902०) Rs only. ———
मिर्याति पत्र के अनुसार। ———
मू. हदबन्दी से प्राप्त सूची में लेखपाल कानूनगो हैं ७० मू.
शा० मू० ७० आर्थीनियम 1976 की धारा 26 के तहत प्राप्त
सूचना सं. 3489 दि० 4-7-97 है। ———
Affidavit Sworn before Executive magistrate vide
no. 7664, 7666 Dt. 18/9 has been filed. ———
Affidavit Sworn before D.S.R. patna vide no.
9538, 9539 Dt. 18/9 has been filed. ———

29990/-
1940/-
59020/-

92

92-V-V6

[illegible] कु० सिंह
18-9-97

92-V-V6 90-
9-
टेका सिंह
अमकी सिंह
मुखानीपुर
मुखाग्नी पक्षा
स: टेका सिंह
92-V-V6
[illegible] कु० सिंह
18-9-97

शुल्क भुगतान रसीद

कपि 10880=00
6क 62=00
त. 2=50
त. 1=12
10946=62

[illegible]
18/9/97

उपरोक्त श्री टेका सिंह ने मेरे का नीलाधन रसीद किया है। उनकी पहचान श्री चनेश कुमार सिंह पिता का नाम श्री सं० चमुना प्र० सिंह एड ही आकलनपत्र पेश्। ने की है।

धारा 3/11 V. 35/97
टेका सिंह ना: 92-V-V6
धारा 3/12 V. 35/97
चनेश कुमार सिंह 18-9-97
[illegible] कु० सिंह
18/9/97 प०

दशपुरुषी पालीगा गाँव है एवं चालक्षत्र है।
नी० प०

प्रतिलिपिक
नागर(ह) सिंह

Comp. 64